MPMETRO

MP METRO NEWS

5th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	राज एक्सप्रेस	इंदौर	05.06.2024	07	मेट्रो ट्रेन के दो स्टेशन मे की लाइन चालू	Neutral

राज एक्सप्रेस
बुधवार, 5 जून, 2024

महानगर

इंदौर
7

www.rajexpress.com

मेट्रो ट्रेन के दो स्टेशनों में की लाइन चालू

पटरियों के समानांतर मेट्रो लाइन से जोड़कर ट्रेन को करंट दिया जाएगा

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

मेट्रो ट्रेन दो स्टेशनों की लाइन में बिजली आपूर्ति शुरू करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बताते है कि पटरियों के समानांतर मेट्रो लाइन से जोड़कर ट्रेन को करंट दिया जाएगा। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया, जून माह के शुरू होते ही न तो उक्त हिस्से में कोई काम होगा, न कोई अनाधिकृत व्यक्ति जा सकेगा। जिस हिस्से में लाइन चार्ज की जा रही है वह भंवरासला चौराहे से टीसीएस के बीच है। बताते है कि मेट्रो कॉरिडोर पर ओवरहेड बिजली के तार या खंभे नहीं लगाए जा रहे हैं। पटरियों के समानांतर मेट्रो लाइन से जोड़कर ट्रेन को करंट दिया जाएगा। अगस्त से मेट्रो के कमर्शियल रन को शुरु करने की तैयारी का यह पहला चरण है। इसके बाद स्टेशनों पर सभी कार्य पूरे किए जाएंगे।

सितंबर तक होगा काम पूरा

सितंबर तक मेट्रो के पहले चरण का काम पूरा करने के लिए तेज गति से काम किया जा रहा है। जिन मेट्रो स्टेशन का काम पूरा हो चुका है, वहां अब ट्रैक के पास थर्ड लेन में बिजली सप्लाई दी जाएगी। सुपर कॉरिडोर पर बनाए जा रहे मेट्रो कॉरिडोर के दो स्टेशनों की लाइन चार्ज करने की प्रक्रिया शुरू की। यह प्रक्रिया सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर दो और तीन के बीच शुरू हो रही है। ट्रैक सहित एलिवेटेड कॉरिडोर और थर्ड लेन का काम अंतिम दौर में है। कॉरिडोर के पिलर के नीचे डिवाइडर बनाने का काम भी शुरू हो चुका है, ताकि मेट्रो शुरू होते ही कॉरिडोर पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो सके। हालांकि कई जगह अभी स्टेशन का काम भी बाकी है, इसलिए डिवाइडर सिर्फ सुपर कॉरिडोर स्टेशन 6 तक ही बन पाएंगे। रेडिसन तक डिवाइडर बनाने कर काम सितंबर तक पूरा हो सकेगा।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	नई दुनिया	इंदौर	05 .06.2024	04	मेट्रो मे सफर को तैयार इंदौरवासी	Neutral

मेट्रो में सफर को तैयार इंदौरवासी

सपना साकार ● अक्टूबर में शुरू होगा कमर्शियल रन, सुपर कारिडोर क्षेत्र में कर सकेंगे सफर

उदय प्रताप सिंह ● नईदुनिया

इंदौर : शहर की सड़कों पर करीब 20 साल पहले टेम्पो में सफर करने वाले इंदौरवासी जल्द ही मेट्रो की सवारी भी कर सकेंगे। इंदौर शहर में पिछले पांच से दस वर्षों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। शहर के सिटी बस व आइबस जैसे माडलों ने लोक परिवहन को सुगम बनाया है। वहीं अब मेट्रो की शुरुआत एक अहम सुविधा साबित होने जा रही है। शहर में अक्टूबर तक सुपर कारिडोर पर 5.9 किलोमीटर हिस्से के प्रायरिटी कारिडोर पर पांच मेट्रो ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा। ऐसे में अगले चार माह में शहरवासी इस हिस्से पर मेट्रो का सफर कर सकेंगे।

सात साल पहले देखा था सपना : करीब सात साल पहले इंदौर में मेट्रो चलाने का सपना देखा गया था। दिसंबर 2018 में शहर में 31.5 किलोमीटर के दायरे में एक रिंगनुमा हिस्से में मेट्रो के संचालन का प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ। बीच में कोविड के दौरान इस प्रोजेक्ट को गति नहीं मिली। वर्ष 2020-21 में मेट्रो के निर्माण के लिए मैदानी स्तर पर काम शुरू हुआ।

मेट्रो के पियर व वायडक्ट का निर्माण शुरू हुआ। वर्तमान में गांधी नगर से सुपर कारिडोर तक 5.9 किलोमीटर का हिस्सा व पांच मेट्रो स्टेशन तैयार हैं, कमर्शियल रन के लिए इन्हें फाइनल टच दिया जा रहा है। वहीं गांधीनगर से रेडिसन चौराहे तक 17 किलोमीटर हिस्से में करीब 500 पियर खड़े हो चुके हैं और 90 प्रतिशत वायडक्ट का निर्माण कार्य भी हो चुका है। रेडिसन चौराहे तक मार्च-जून 2025 तक कमर्शियल रन शुरू होने की संभावना है। ऐसे में एक साल बाद शहरवासी एयरपोर्ट से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो में बैठकर आ-जा सकेंगे।

तीन साल में राजवाड़ा, मल्हारगंज व कालानी नगर में भी चलेगी मेट्रो : रेडिसन से पलासिया चौराहे के बीच 5.5 किलोमीटर के हिस्से का निर्माण कार्य वर्ष 2026 तक पूरा होना है। इस हिस्से में मेट्रो का एलिवेटेड कारिडोर ही होगा। निर्माण के लिए एजेंसी तय हो गई। पियर की डिजाइन के लिए मृदा परीक्षण का काम जारी है। आगामी वर्षा काल खत्म होने के बाद इस हिस्से में पियर निर्माण का कार्य शुरू होगा। रीगल से एयरपोर्ट तक मेट्रो का 8.8 किलोमीटर का हिस्सा भूमिगत होगा। जून 2027 तक इस हिस्से का निर्माण कार्य पूरा होगा। ऐसे में तीन साल बाद रीगल, राजवाड़ा, मल्हारगंज, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, कालानी नगर क्षेत्र में भी मेट्रो चलेगी और इस क्षेत्र के लोग भी आवागमन के लिए मेट्रो का उपयोग कर सकेंगे।

एक दिन में चार से पांच लाख यात्री कर पाएंगे सफर : सुपर कारिडोर के प्रायरिटी कारिडोर पर पांच मेट्रो कोच के माध्यम से कमर्शियल रन शुरू किए जाने पर यात्री भले ही कम मिले लेकिन एक साल बाद रेडिसन चौराहे तक मेट्रो चलाए जाने पर करीब 70 से 80 हजार यात्रियों के एक दिन में सफर करने का अनुमान है। वहीं मेट्रो का 31.5 किलोमीटर का हिस्सा तैयार होने पर एक दिन में करीब चार से पांच लाख यात्रियों के मेट्रो में सफर करने का आंकलन किया जा रहा है।

शहर की धड़कन बनेगी मेट्रो। इसकी शुरुआत अहम सुविधा साबित होगी। ● नईदुनिया

इंदौर के गांधी नगर डिपो में खड़ा मेट्रो कोच। ● फाइल फोटो

इंदौर मेट्रो

- दिसंबर 2018 : प्रोजेक्ट हुआ था स्वीकृत
- 2020-21 : मेट्रो पियर व वायडक्ट का निर्माण हुआ शुरू
- 30 सितंबर 2023 : प्रायरिटी कारिडोर पर हुआ था मेट्रो का ट्रायल रन
- मेट्रो कारिडोर : 31.5 किलोमीटर
- एलिवेटेड हिस्सा: 22.7 किलोमीटर
- भूमिगत भाग : 8.8 किलोमीटर
- कुल खर्च : 7501 करोड़ रुपये
- कुल मेट्रो स्टेशन : 28
- भूमिगत स्टेशन : 7
- एलिवेटेड स्टेशन : 21
- कुल मेट्रो कोच सेट से होगा
- संचालन : 25

MPMETRO

MP METRO NEWS

7th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	Free Press	Indore	07.06.2024	02	Indore Metro Stations Will Operate on Green Energy	Neutral

INDORE CITY
www.freepressjournal.in INDORE | FRIDAY | JUNE 7, 2024

INDORE METRO STATIONS WILL OPERATE ON GREEN ENERGY

ARSH RAFIK VISAAL
city.indore@fpj.co.in

The Indore Metro will use green energy for the operations of lifts, escalators and other electric units. Under the India Green Building Council (IGBC) the metro stations which are under construction will have solar panels installed on them. Metro stations will be made with platinum ratings of IGBC which is top rating.

Additional director (technical) MPMRCL Shobhit Tandon said, "it is in plan to install the solar panels on the roofs of all the metro stations. The energy from these panels will help in powering the electric equipment"

The Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) has got certificate from the IGBC for development of green buildings and they will be developed following the norms. This energy conservation of Metro will also add to carbon credit contribution and will help Indore in gaining more carbon credits.

WHAT IS THE PLAN FOR SOLAR PANELS AND IGBC RATING

IGBC Green Existing MRTS rating system is a voluntary and consensus based programme. The rating system has been developed with the support of IGBC Green Existing MRTS Technical Committee. The rating system is a tool to enable operational rail based MRTS to apply green concepts and sustain performance of system with respect to the green features during operation, so as to further reduce environmental impacts that are measurable. The overarching objective of IGBC Green Existing MRTS Rating is to facilitate MRTS operators in implementation of green strategies, measure their impacts and sustain the performance in the long run, while enhancing commuter comfort & experience.

Officials said that so far no tender has been floated for the installation or planning of the solar panels. At the last stage of the project a consultant will be hired and according to the building area of rooftop and other specifications the solar panels will be installed before the metro stations become operational.

Benefits from IGBC building

By applying the green concepts in the operational phase, the following additional benefits are envisaged over conventional MRTS for the Environment, Metro Rail Authorities, Metro Rail Operators and Commuters:

- Reduced dependency on private vehicles, thereby minimizing the environmental impacts associated with the use of fossil fuels
- Enhanced station accessibility to improve first & last mile connectivity and achieve maximum ridership
- Maximize resource efficiency
- Improved station indoor environment
- Increased environmental awareness among commuters
- Enhanced commuting comfort and experience

What Metro officials said

Environment friendly stations

MPMRCL is committed to providing state-of-art, integrated and efficient urban transport systems to the urban centres in Madhya Pradesh. We are committed to citizen-centric, environment friendly and efficient design that serves the cause of inter-generational equity"

— SIBI CHAKKRAVARTHY M
Managing Director, MPMRCL

We have platinum ratings

The plan is in process and will be executed after complete formation of the roofs and structure of the metro stations. We have platinum ratings of IGBC which is the top most ratings"

— SHOBHIT TANDON
Additional Director (technical), MPMRCL

MP METRO NEWS

8th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
4	Pradesh today	Indore	08.06.2024	08	इंदौर में जल्द दौड़ेगी मेट्रो, तैयारियाँ ज़ोरों पर, दो पैंथर लाइन से दी जाएगी इलेक्ट्रिक सप्लाई	positive

8 प्रदेश टुडे इंदौर, शनिवार, 08 जून 2024

इंदौर में जल्द दौड़ेगी मेट्रो, तैयारियां जोरों पर, दो पैंथर लाइन से दी जाएगी इलेक्ट्रिक सप्लाय

इंदौर। इंदौर जल्द ही मेट्रो की सवारी करता नजर आएगा, क्योंकि मेट्रो चलाने को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। बड़ी संख्या में आधुनिक संसाधन जुटाए जा रहे हैं। मेट्रो के संचालन में सबसे अहम बिजली भी है। बड़ी मात्रा में लगने वाली बिजली की सप्लाय के लिए बिजली कंपनी ने विशेष व्यवस्था की है।

बिजली का व्यवधान न हो, इसके लिए दो पैंथर लाइन से सप्लाय दी जाएगी। यदि मेट्रो को मौजूदा स्थान एयरपोर्ट, गांधी नगर से रोबोट चौराहे के बीच चलाया गया तो बिजली कंपनी के अनुसार मेट्रो को ढाई लाख से तीन लाख रुपए रोज की बिजली लगेगी।

इंजन के पहिये के समीप शू फेज में पहुंचेगी बिजली और सरपट दौड़ेगी मेट्रो

इंदौर में मेट्रो ट्रेन के लिए ओवरहेड की बजाय थर्ड रेल से बिजली सप्लाय होगी। तीसरी पटरी सामान्य तौर पर पीले रंग की होती है, इसे तकनीकी भाषा में कंडक्टर रेल भी कहा जाता है। इंजन के पहिये के समीप ट्रेन के निचले हिस्से में एक भारी उपकरण लगा होता है, इसे शू फेज कहा जाता है। जिस तरह हमारे जूते शरीर का पूरा भार वहन करते हैं और चलने के दौरान पैर, अंगुलियों, अंगूठे की हिफाजत करते हैं, उसी तरह ट्रेन के पहियों के बीच शू फेज सेक्शन ही ट्रेन के लिए सारी बिजली ग्रहण करने का कार्य करता है। इस सेक्शन में शू फेज, स्ट्रिंगर, शू बीम, एडजस्टर व अन्य महत्वपूर्ण उपकरण सेटअप के रूप में लगे होते हैं। ये थर्ड रेल से उच्च दाब स्तर की बिजली सतत लेते हैं। थर्ड रेल में बिजली मेट्रो के कंट्रोल सेंटर से जोड़ी जाती है। कंट्रोल सेंटर में बिजली आपूर्ति मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी करेगी।

पैंथर लाइन का मैकेनिज्म

बिजली कंपनी से मेट्रो ट्रेन के लिए बिजली टीसीएस चौराहे के पास पैंथर लाइन से मिली है। इस पैंथर लाइन पर 33 केवी की पैंथर ए और पैंथर बी डबल सप्लाय है। कभी एक में अवरोध आया तो अगले ही सेकंड दूसरी लाइन से बिजली मिलने लगेगी। टीसीएस चौराहे के पास 10 मेगावाट के पॉवर ट्रांसफॉर्मर लगे हैं। मेट्रो जितने ज्यादा फेरे लगाएगी, बिजली उतने ही अनुपात में ज्यादा लगेगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
5	पीपुल्स समाचार	इंदौर	23.06.2024	01	इंदौर और उज्जैन के बीच चलेगी मेट्रो ट्रेन, बड़े शहरों में बनें ट्रैफिक प्लान	Neutral

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रादेशिक खेल व्यापार

भोपाल सिटी June 23, 2024

Pg-01

इंदौर और उज्जैन के बीच चलेगी मेट्रो ट्रेन, बड़े शहरों में बनेंगे ट्रैफिक प्लान

मुख्यमंत्री ने मेट्रो प्रोजेक्ट की प्रगति को लेकर बैठक में दिए निर्देश

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल
मो.नं. 9425174141

इंदौर और उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन चलाई जाएगी जो सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक होगी। इन शहरों के बीच मेट्रो चलाने से संबंधित फिजिबिलिटी सर्वे की रिपोर्ट आ चुकी है। आने वाले समय में इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो की सौगात भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सीएम निवास कार्यालय में भोपाल-इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि भोपाल में एम्स से करोंद चौराहे तक 16.74 किलोमीटर की लंबाई में मेट्रो की लाइन तीन चरणों में तैयार होगी। प्रथम चरण सात किलोमीटर का है, जिसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) शामिल हैं। इंदौर मेट्रो में 31.32 किलोमीटर में कार्य हो रहा है। इंदौर में कुल 28 स्टेशन बनेंगे। गौरतलब है कि भोपाल में एम्स से सुभाष नगर तक के रूट का काम तेजी से चल रहा है।

रोप-वे, केबल-कार जैसे साधनों पर भी चर्चा

सीएम ने कहा कि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में मेट्रो के साथ वंदे मेट्रो, रोप-वे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसे साधनों का उपयोग किया जाएगा। यातायात के विकल्पों के उपयोग के अंतर्गत उज्जैन से ओंकारेश्वर रूट, भोपाल से इंदौर, जबलपुर से ग्वालियर के लिए भी विचार कर जरूरी निर्णय लिए जाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
6	राज एक्स्प्रेस	इंदौर	23.06.2024	12	सिंहस्थ के पहले इंदौर से उज्जैन के बीच दौड़ेगी मेट्रो	Neutral

इंदौर
12
विविध
राज एक्सप्रेस
www.rajexpress.com
रविवार, 23 जून, 2024

सिंहस्थ के पहले इंदौर से उज्जैन के बीच दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश में पहली बार दो बड़े शहरों के बीच मेट्रो चलाई जाएगी। यह इंदौर से उज्जैन के बीच चलेगी। वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के पहले इसका संचालन शुरू करने का टारगेट रखा गया है ताकि श्रद्धालुओं और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आवाजाही में आसानी हो। साथ ही इंदौर के निर्माणाधीन व प्रस्तावित मेट्रो रूट के लिए कुछ दिन पहले बैठक में जनसंगठनों और जनप्रतिनिधियों ने जो सुझाव दिए थे, उन पर भी अमल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में शनिवार को भोपाल-इंदौर मेट्रो की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में सीएम ने कहा कि प्रदेश के बड़े शहरों के लिए नए ट्रैफिक प्लान की जरूरत को देखते हुए राज्य सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इंदौर-उज्जैन मेट्रो की फिजिबिलिटी रिपोर्ट मिली है। इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो की सुविधा दी जाएगी।

सीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया फैसला

बैठक में बताया गया कि भोपाल में सुभाष नगर से करोंद चौराहा रूट की लंबाई 9.74 किमी रहेगी। इसके एलिवेटेड व अंडरग्राउंड हिस्से के निर्माण के लिए करार किया जा चुका है। जल्द काम शुरू होगा। वहीं दूसरा रूट भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक 14.21 किमी का है। इसके सिविल वर्क के लिए जल्द अनुबंध किया जाएगा। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा और सुभाष नगर से करोंद रूट वर्ष 2027 तक कॉमर्शियल रन के लिए तैयार हो सकेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
7	Free Press	Indore	23.06.2024	01&06	Indore-Ujjain Metro by 2027, gets CM nod	Neutral

INDORE Pg-01&06

VOL. 14 NO. 9 SUNDAY | JUNE 23, 2024 | PAGES 16 ₹4 1983 FOR THE PEOPLE ❒ Regd. No. Indore MP/ICD 216/2024-2026 ❒ RNI No. mpeng/2010/35815

FREE PRESS

Indore-Ujjain Metro by 2027, gets CM nod

Reviews Metro project of Bhopal & Indore; Vande Metro also on cards in big cities of the state

OUR STAFF REPORTER
CITY.BHOPAL@FPJ.CO.IN

Metro train will be started between Indore and Ujjain. Chief Minister Mohan Yadav has given his nod to the project during the review meeting of Bhopal and Indore Metro projects on Saturday. The Indore-Ujjain Metro train would prove very useful for pilgrims during Simhasta 2028.

CM said that feasibility report has been received in connection with Indore-Ujjain Metro train project. As far as Bhopal Metro project is concerned, the work of laying total 16.74 km long metro line, from AIIMS till Karond Square will be done in three phases. The first phase is of 7 km which covers eight elevated stations. It was informed in the meeting that Indore Metro work is goin on and work of 31.32 km metro line is being laid. Total 28 metro stations will be constructed in Indore.

Speaking about the smooth traffic arrangement for big cities, he said that along with metro train facility in Bhopal, Indore, Gwalior, Jabalpur and Ujjain, Vande Metro train, ropeway, electric bus and cable car like facilities will also be used. In the coming time, Vande Metro facility from Indore airport to Mahakal temple will provide huge relief to pilgrims.

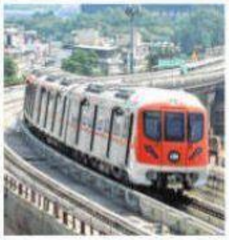

Bhopal Metro by 2027

It was informed in the meeting Bhopal Metro project will be completed by 2027. By year 2031, around 4.5 lakh people will commute in Metro train per day. Meanwhile, 40 % work of Indore Metro work has been completed.

Contd. on P6

Indore-Ujjain ...

Chief Minister Mohan Yadav informed that in the recent discussion with Union Rail Minister Ashwini Vaishnaw, consent was received to run Vande Metro in different cities of the state. The discussion with Vaishnaw was focused on operation of Vande Metro train and to provide benefit to industrial areas like Dewas and Pithampur. Vande Metro runs at higher speed than the metro train. It uses railway track of common trains.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
8	पत्रिका	इंदौर	23.06.2024	01	इंदौर-भोपाल मेट्रो में लगें मेड इन इंडिया डोर	Neutral

पत्रिका {इंदौर प्राइम}

Pg-01

पत्रिका
इंदौर, रविवार 23 जून 2024
SUNDAY

patrika.com INDORE PRIME

#MetroTrain : ट्रेन-प्लेटफॉर्म के बीच अवरोधक का काम करते हैं डोर, देश में पहली बार...

इंदौर-भोपाल मेट्रो में लगेंगे मेड इन इंडिया डोर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. भोपाल और इंदौर मेट्रो में मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) लगाए जाएंगे। अब तक देश के अन्य शहरों में शुरू हुई मेट्रो में पीएसडी यूरोप से खरीदे जाते थे। इंदौर-भोपाल मेट्रो के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड कंपनी पहली बार पीएसडी तैयार करेगी। इस प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर सिस्टम में कई एडवांस फीचर्स और आधुनिक सुरक्षा प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को ट्रैक से दूर रखना होगा।

कई एडवांस फीचर्स: पीएसडी सिस्टम में कई एडवांस फीचर्स और आधुनिक सुरक्षा प्रणाली होगी। जैसे ऑटोमेटिक स्लाइडिंग डोर (एएसडी), इमरजेंसी एग्जिट डोर (ईईडी), प्लेटफॉर्म एंड डोर (पीईडी), इमरजेंसी एस्केप डोर (ईईडी), प्लेटफॉर्म पर्यवेक्षण बूथ और अलार्म टर्मिनल, एचएमआइ (चालक हेतु सूचना उपकरण), इमरजेंसी-की बॉक्स।

सुरक्षा होगी पुख्ता

इंदौर-भोपाल मेट्रो अन्य शहरों से अलग थर्ड पर चलेगी। ट्रैक के पास ही बिजली के लिए थर्ड रेल लगाई जाएगी। इससे ट्रैक पर भी करंट दौड़ेगा, जो यात्रियों के लिए जोखिम भरा हो सकता है, इसलिए प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाए जाएंगे। इससे ट्रैक पर हादसों की रोकथाम होगी।

पीएसडी गेट से नियंत्रित होगा वेंटिलेशन

मेट्रो की गति तेज होती है। कई बार मेट्रो के स्टेशन पर पहुंचने से हवा के झोंके महसूस होते हैं, इससे प्लेटफॉर्म पर खड़े यात्री असंतुलित महसूस करते हैं। तेज रफ्तार से गुजरने के कारण हवा के तेज झोंके से तापमान में अचानक बदलाव नहीं होगा। इससे एसी के इस्तेमाल में कम बिजली लगेगी। वेंटिलेशन को भी नियंत्रित किया जा सकेगा। पीएसडी गेट से ध्वनि प्रदूषण कम होगा और यात्री प्लेटफॉर्म पर होने वाली घोषणाएं आसानी से सुन पाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
9	नई दुनिया	इंदौर	23.06.2024	01	सिंहस्थ के पहले इंदौर और उज्जैन के बीच चलने लगेगी वंदे मेट्रो	Neutral

वर्ष 78 अंक 19
कुल पेज 12 + 4 + 4 = 20
नगर संस्करण
कीमत 6.00
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा सं. 2081
इंदौर, रविवार, 23 जून, 2024
www.naidunia.com

नईदुनिया

नई सोच, नया अंदाज

Pg-01

इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

सिंहस्थ के पहले इंदौर और उज्जैन के बीच चलने लगेगी वंदे मेट्रो

इंदौर से उज्जैन एलिवेटेड मेट्रो का प्रोजेक्ट अब ठंडे बस्ते में, हुआ था फिजिब्लिटी सर्वे

55 मिनट में उज्जैन पहुंचेंगे यात्री

मुख्यमंत्री व केंद्रीय रेल मंत्री के बीच इस अहम प्रोजेक्ट पर बनी सहमति

उदय प्रताप सिंह ● नईदुनिया

इंदौरः सिंहस्थ-2028 में इंदौर शहरवासी 'वंदे मेट्रो' में बैठ महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन जा सकेंगे। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की हाल ही में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से हुई चर्चा में इस प्रोजेक्ट पर सहमति भी बन गई है। यदि सिंहस्थ तक यह प्रोजेक्ट धरातल पर आकार ले सका तो वंदे मेट्रो ट्रेन में इंदौर से उज्जैन महाकाल के दर्शन के लिए 55 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। अभी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से इंदौर से उज्जैन बीच के किसी स्टेशन पर रुके बिना 40 मिनट में यात्री पहुंच रहे हैं। इसका दिन में एक फेरा होता है जबकि वंदे मेट्रो ट्रेन के कई फेरे होंगे। शनिवार को भोपाल में सीएम डा. यादव ने मौजूदा मेट्रो प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान इंदौर-उज्जैन मेट्रो प्रोजेक्ट के संबंध में भी अधिकारियों को प्रस्ताव बनाने को कहा। गत वर्ष सांसद शंकर लालवानी ने भी रेलमंत्री से इसकी मांग की थी।

रोप-वे, केवल कार जैसे मुद्दे भी शामिल

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में मेट्रो के साथ वंदे मेट्रो, रोप-वे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसे साधनों का उपयोग।

वंदे मेट्रो सर्किल ट्रेन नागरिकों के लिए होगी सुविधाजनक

प्रदेश के बड़े नगरों के लिए नए ट्रैफिक प्लान की जरूरत को देखते हुए राज्य सरकार ने इंदौर-उज्जैन के मध्य मेट्रो ट्रेन के संचालन का निर्णय लिया है। यह आगामी सिंहस्थ में श्रद्धालुओं के लिए आवाजाही की सुविधा के लिए काफी उपयोगी होगा। पुरानी मेट्रो के स्थान पर वंदे मेट्रो सर्किल ट्रेन नागरिकों के लिए एक बड़ी सौगात होगी। - डा. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

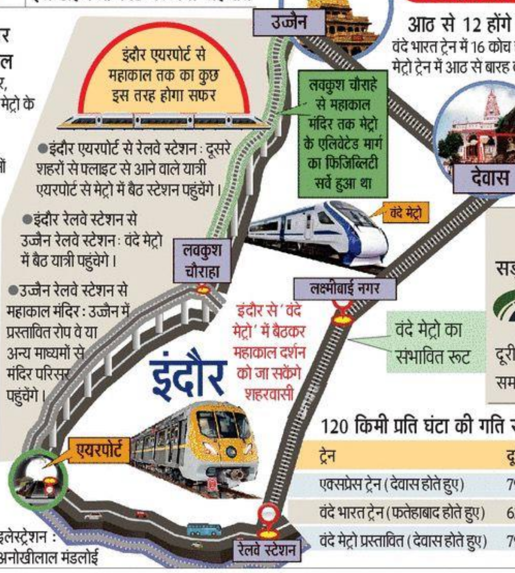

इलेस्ट्रेशन : अनोखीलाल मंडलोई

कम खर्च में तैयार हो जाएगा यह प्रोजेक्ट

दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन (डीएमआरसी) ने उज्जैन से इंदौर होते हुए पीथमपुर तक 80 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो चलाने के लिए फिजिब्लिटी सर्वे किया है। शनिवार को यह रिपोर्ट भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई। इसमें इंदौर से उज्जैन तक तक 45 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है। इसके तहत इंदौर में मेट्रो के मौजूदा नेटवर्क से लवकुश चौराहे पर उज्जैन से आने वाले मेट्रो के एलिवेटेड हिस्से को जोड़ने का प्रविधान था। यदि लवकुश चौराहे से उज्जैन महाकाल मंदिर तक मेट्रो का एलिवेटेड कारिडोर तैयार करते तो इस पर करीब 10 से 12 हजार करोड़ रुपये का खर्च आता। वही इंदौर से उज्जैन के बीच वंदे मेट्रो ट्रेन चलाने पर रेलवे के मौजूदा रेल नेटवर्क का उपयोग हो सकेगा। मेट्रो प्रबंधन को सिर्फ 500-700 करोड़ रुपये कोच लाने पर ही खर्च करना होते। रेलवे रूट के साथ प्लेटफार्म सहित अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च नहीं होता।

इंदौर से उज्जैन का सफर

सड़क मार्ग
दूरी: 55 किमी
समय : 1 घंटा

रेल मार्ग (एक्सप्रेस ट्रेन के दूरी तय करने का समय)
इंदौर- देवास- उज्जैन रूट
79 किमी दूरी : समय 1 घंटा 55 मिनट
इंदौर-फतेहाबाद- उज्जैन रूट
62 किमी दूरी : समय 1 घंटा 25 मिनट

120 किमी प्रति घंटा की गति से चलेगी वंदे मेट्रो

ट्रेन	दूरी	स्पीड	समय
एक्सप्रेस ट्रेन (देवास होते हुए)	79 किमी	40-62 किमी प्रति घंटा	1 घंटा 55 मिनट
वंदे भारत ट्रेन (फतेहाबाद होते हुए)	62 किमी	93 किमी प्रतिघंटा	40 मिनट
वंदे मेट्रो प्रस्तावित (देवास होते हुए)	79 किमी	120 किमी प्रतिघंटा	55 मिनट

सड़क मार्ग का यातायात दवाव कम करेगी वंदे मेट्रो

सिंहस्थ में उज्जैन करीब 14 करोड़ श्रद्धालु पहुंचेगे। ऐसे में इंदौर से उज्जैन जाने वाले लोगों की संख्या में भी काफी इजाफा होगा। ऐसे में वंदे मेट्रो ट्रेन इंदौर से उज्जैन जाने वालों के लिए बेहतर विकल्प होगी। महाकाल लोक बनने के बाद बाद भी उज्जैन व इंदौर जाने वाले पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। अभी कई लोग इंदौर- उज्जैन सड़क मार्ग से उज्जैन जाते है। ऐसे में वंदे मेट्रो शुरु होने से सड़क मार्ग का यातायात दबाव भी कम होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	पत्रिका	इंदौर	23.06.2024	02	इसी साल इंदौर-भोपाल होंगे मेट्रो पर सवार	Neutral

यह भी खास

- इंदौर में मेट्रो का 40% काम हो चुका।
- **इंदौर में 31.32 किमी में काम चल रहा है। यहां 28 स्टेशन बनेंगे।**
- एमजी रोड रूट को लेकर है विवाद। तीन विकल्पों पर होना है विचार।
- **भोपाल में एम्स से करोंद चौराहे तक 16.74 किमी लंबे ट्रैक का काम तीन चरणों में पूरा होगा।**
- पहला चरण 7 किमी हैं। इसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) सुभाष नगर से पुल बोगदा जंक्शन और करोंद तक।
- **1544 करोड़ रुपए की ऑरेंज लाइन भोपाल में**
- 2027 तक पूरा करना है ऑरेंज लाइन का दूसरा चरण
- **3.39 किमी लंबी अंडरग्राउंड लाइन**
- भोपाल में 27 और इंदौर में 25 ट्रेनें चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने की समीक्षा: पांच बड़े शहरों में नया ट्रैफिक प्लान भी

- इंदौर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर के बीच 6 किमी ट्रैक पर शुरू होगा सफर

इसी साल इंदौर-भोपाल होंगे मेट्रो पर सवार

- भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति के बीच 3.5 किलोमीटर में दौड़ेगी मेट्रो

सिंहस्थ से पहले इंदौर और उज्जैन के बीच वंदे मेट्रो ट्रेन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. राजधानी भोपाल और इंदौर में मेट्रो का सफर इस साल अंत तक शुरू हो जाएगा। पहले चरण में भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति तक 3.5 किमी और इंदौर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर-3 तक 6 किमी लंबे ट्रैक पर मेट्रो दौड़ेगी। हालांकि दोनों शहरों में पूरा काम 2027 तक पूरा होगा। सीएम हाउस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की समीक्षा बैठक में मेट्रो प्रोजेक्ट पर यह बातें साफ होने के साथ ही सरकार ने शनिवार को दो बड़े फैसले भी किए। पहला, इंदौर से उज्जैन के बीच अब मेट्रो से भी तेज रफ्तार वाली वंदे मेट्रो ट्रेनें चलेंगी।

सिंहस्थ को देखते हुए 2028 से पहले शुरुआत की जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मौखिक सहमति दी है। सरकार ने फिजिबिलिटी सर्वे करा लिया है। रिपोर्ट भी आ चुकी है। दूसरा फैसला, बड़े शहर भोपाल-इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर और उज्जैन के लिए नए ट्रैफिक प्लान को लेकर लिया गया है। इसके तहत सभी शहरों में वंदे मेट्रो ट्रेन के अलावा रोप-वे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसे सार्वजनिक साधनों का उपयोग होगा। मुख्यमंत्री ने ये मुख्य सचिव वीरा राणा और अन्य अफसरों को इसी के अनुसार काम करने के निर्देश भी दिए। भोपाल-इंदौर में पहले और दूसरे फेज का काम चल रहा है। अफसरों ने सीएम को भरोसा दिया कि पहले चरण के चिह्नित व प्रॉयरिटी कॉरिडोर पर इसी साल मेट्रो का कर्मशियल रन शुरू होगा। भोपाल में मेट्रो पर अब तक 2000 और इंदौर में करीब 3000 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं।

इंदौर से भोपाल, उज्जैन से ओंकारेश्वर, जबलपुर से ग्वालियर के लिए आवागमन आसान बनाने की तैयारी

केबल कार और रोप-वे चलाने की भी योजना

इंदौर

गांधी नगर डिपो से शहीद पार्क तक, 5.8 किलोमीटर रूट पर हो चुका ट्रायल रन

पहले चरण में गांधी नगर डिपो से रेडिसन तक 17.5 किमी में 17 स्टेशन बनेंगे। सितंबर 2023 में गांधीनगर से 5.8 किमी के हिस्से में पांच स्टेशनों का काम बाकी है। चंद्रगुप्त चौराहे से रेडिसन तक 366 पेड़ शिफ्ट होने हैं।

शहीद पार्क से पलासिया : दूसरे चरण में 5.5 किमी रूट का काम शुरू हो गया। यहां पांच स्टेशन तीन साल में पूरे होंगे। बंगाली चौराहे से पलासिया तक कई निर्माण तोड़ने हैं। सबसे ज्यादा इसी रूट पर 900 पेड़ भी शिफ्ट होने हैं।

टीआइ मॉल से एयरपोर्ट : टीआइ मॉल से एयरपोर्ट तक अंडर ग्राउंड निर्माण तीसरे चरण में होना है। 8 किमी लंबे रूट पर 8 अंडरग्राउंड स्टेशन बनने हैं। इसका टेंडर अभी नहीं हुआ है।

भोपाल

सुभाष नगर से करोंद 2027 तक पूरा होगा काम, डेढ़ लाख लोग रोज सफर करेंगे

मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी सीबी चक्रवर्ती ने सीएम के सामने भोपाल मेट्रो के काम की प्रगति को लेकर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि एम्स से करोंद तक 14 किमी लंबी लाइन का काम 2027 तक पूरा होगा। सुभाष ब्रिज से एम्स तक प्रायोरिटी कॉरिडोर का 90% काम हो चुका है। दूसरे चरण में जिंसी से करोंद के बीच काम शुरू हो चुका है। 2025 की शुरुआत में प्रायोरिटी कॉरिडोर में कमर्शियल रन शुरू होगा। 2027 में भोपाल में 14 किमी लंबी मेट्रो लाइन होगी। इसमें रोज यात्रा करने वालों की संख्या डेढ़ लाख होगी। 2031 तक मेट्रो की दो लाइनें पूरी हो जाएंगी। इसमें रोजाना 4.50 लाख लोग सफर करेंगे। अभी 6.22 किमी का हिस्सा लगभग तैयार है।

सीएम बोले, रेल मंत्री से पीथमपुर, देवास पर भी चर्चा

सीएम ने बताया, रेल मंत्री से हाल ही में चर्चा हुई है। उन्होंने प्रदेश में वंदे मेट्रोल के संचालन के साथ मॉडर्न तकनीक के प्रयोग और पीथमपुर-देवास जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को लाभान्वित करने के लिए भी सुझाव दिए। सीएम ने प्रदेश में उपलब्ध नैरो गेज और अन्य रेल लाइन के उपयोग की सुझाव दी।

मेट्रो का सिविल वर्क तेजी से चल रहा है। रेवेन्यू के लिए भी लैंड डेवलपिंग की प्लानिंग है। जिंसी से आगे करोंद लाइन के लिए जमीनी काम शुरू किया जा रहा है। एक साथ काम कर समय सीमा के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।
सीबी चक्रवर्ती, एमडी मध्यक्षेत्र

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	प्रदेश टुडे	Indore	23.06.2024	01	उज्जैन तक दौड़ेगी इंदौर मेट्रो CM यादव का अहम फैसला	Neutral

Evaluation Warning : The version can be used only for evaluation purpose...

सिटी इनसाइड | ग्राम विकास सामाजिक संघ ... | पल्स पोलियो अभियान ...

इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, होशंगाबाद, रायपुर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, सीधी, उमरिया, छतरपुर, शिवपुरी, उप्र, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं नई दिल्ली से प्रकाशित

www.pradeshtoday.com

पूरा सच, बेहिचक

प्रदेश टुडे

इंदौर
रविवार
23 जून 2024
वर्ष: 14, अंक: 175
कुल पृष्ठ-08
मूल्य: ₹ 2.00

पेट्रोलियम टुडे
पेट्रोल : 106.13 डीजल: 91.53

मौसम टुडे

भोपाल	35.0	26.0
ग्वालियर	40.0	31.0
इंदौर	32.0	25.0
जबलपुर	35.0	26.0

रेट्स टुडे

डॉलर	: 83.54
यूरो	: 89.38
पौंड	: 105.70
युआन	: 11.50
सोना 24 के.	: 76,300/10 ग्रा.
चांदी पाट	: [illegible]0,800/1 किग्रा.

(सोना- चांदी रेट जीएसटी सहित)

Pg-01

उज्जैन तक दौड़ेगी इंदौर मेट्रो CM यादव का अहम फैसला

इंदौर, ब्यूरो। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर से उज्जैन महाकाल नगरी तक मेट्रो ट्रेन चलाने पर मुहर लगा दी है। सिंहस्थ 2028 से पहले यह काम पूरा हो जाएगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ समीक्षा बैठक में यह फैसला लिया गया। उज्जैन तक मेट्रो चलाने के लिए फिजिबिलिटी सर्वे हो चुका है। आने वाले समय में इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो चलाई जाएगी। प्रदेश की बात करें तो मेट्रो से जुड़े इंदौर, भोपाल के बाद उज्जैन तीसरा शहर होगा। मेट्रो के लिए इंदौर में 25 और भोपाल में 27 ट्रेनों को संचालन विभिन्न रूट्स पर किया जाएगा। इंदौर में 31.3 किलोमीटर में काम चल रहा है। जबकि भोपाल में कुल 16.7 किमी का काम होना है। समीक्षा बैठक के बाद जानकारी दी गई कि इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में मेट्रो के साथ वंदे मेट्रो, रोपवे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। उज्जैन से ओंकारेश्वर रूट, भोपाल से इंदौर, जबलपुर से ग्वालियर के लिए भी विचार किया जा रहा है।

वंदे मेट्रो सर्किल ट्रेन चलेंगी

रेल मंत्री से हुई बात

सीएम डॉ. यादव ने बताया केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से हाल ही में हुई चर्चा के अनुसार प्रदेश में विभिन्न नगरों के लिए वंदे मेट्रो चलाने पर सहमति हुई है। पुरानी मेट्रो के स्थान पर वंदे मेट्रो सर्किल ट्रेन अच्छा प्रयास है। इधर मेट्रो में एयर कंडिशनिंग, ग्रैब पोल और ग्रैब हैंडल, बैठक व्यवस्था, मार्ग-दर्शिका, अनाउंसमेंट, कैमरा एवं मोबाइल चार्जिंग पाइंट, आपातकालीन संचार प्रणाली, आपातकालीन निकासी द्वार आदि सुविधाएं होंगी।

MP METRO NEWS

24th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	दैनिक भास्कर	इंदौर	24.06.2024	05	इंदौर से उज्जैन-पीथमपुर-देवास के बीच मेट्रो जैसी सुविधा आसानी से मिलेगी	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 24-06-2024 Pg-05

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट • सिंहस्थ से पहले उज्जैन-देवास के बीच मेट्रो की तैयारी जल्द शुरू होगी

इंदौर से उज्जैन-पीथमपुर-देवास के बीच मेट्रो जैसी सुविधा आसानी से मिलेगी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो रिंग रूट के दूसरे चरण पर जनप्रतिनिधियों की आपत्ति से मामला चर्चा में आने के बाद मुख्यमंत्री के तत्काल एक्शन लेने से काम में तेजी और जनहितैषी प्लान की उम्मीद है। उन्होंने मेट्रो के उज्जैन, पीथमपुर, देवास तक विस्तार करने की घोषणा भी की, जिससे पूरे क्षेत्र में एकीकृत विकास का रास्ता खुलने की संभावना बनेगी। मुख्यमंत्री के सुझाव के बाद वर्तमान रेल लाइनों पर नागपुर की तर्ज पर ब्रॉडगेज मेट्रो की संभावनाएं भी तलाशी जा सकती हैं।

मेट्रो रिंग रूट को लेकर हुई बैठक में मध्य शहर एमजी रोड, कनाड़िया रोड, राजबाड़ा, मल्हारगंज क्षेत्र में होने वाले नुकसान का मुद्दा उठा था। इसके बाद प्लान बदले जाने के सुझाव पर हलचल तेज हुई। शनिवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में हुई बैठक में अफसरों को नागरिक

सुझावों पर अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। रविवार को नगरीय आवास व विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी स्पष्ट कर दिया कि जनता के हित देखते हुए ही आगे बढ़ेंगे। अधिकारियों ने कैसा भी प्लान बनाया हो, फर्क नहीं पड़ता। जनता, जनप्रतिनिधि जैसा चाहेंगे वैसी ही मेट्रो लाइन डलेगी।

रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम की संभावना भी देखेंगे

रविवार को एआईसीटीएसएल (आरआरटीएस) दफ्तर में पौधारोपण बैठक के बाद उन्होंने कहा जनता-जनप्रतिनिधियों के सोचने का तरीका व्यावहारिक है। इसलिए उस पर विचार होगा। मुख्यमंत्री के साथ बैठक में मेट्रो को शहर के आसपास विस्तारित करने के प्लान पर भी चर्चा की गई। इसके लिए मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा पीथमपुर, देवास, उज्जैन के लिए किए गए फिजिबिलिटी सर्वे की रिपोर्ट भी देखी। इसमें मिले विकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे, जिसमें दिल्ली, गाजियाबाद की तरह रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम की संभावना भी है। सिंहस्थ से पहले उज्जैन के प्लान पर अमल करवाना और इंदौर रिंग रूट तैयार करना हमारी प्राथमिकता में रहेगा।

MP METRO NEWS

27th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	नई दुनिया	इंदौर	27.06.2024	1	इंदौर मे पहली बार 90 की गति से दौड़ी मेट्रो, 5.9 किमी की दूरी तीन मिनट मे पूरी की	Positive

वर्ष 78 अंक 23
कुल पेज 14 + 4 = 18
नगर संस्करण
कीमत 5.00
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष षष्ठी सं. 2081
इंदौर, गुरुवार, 27 जून, 2024
www.naidunia.com

नईदुनिया

नई सोच, नया अंदाज

Pg-01

इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

इंदौर में पहली बार 90 की गति से दौड़ी मेट्रो, 5.9 किमी की दूरी तीन मिनट में पूरी की

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : इंदौर की मेट्रो ने पहली बार सुपर कारिडोर पर 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से दौड़ लगाई। सुपर कारिडोर पर गांधी नगर स्टेशन से टीसीएस चौराहे तक प्रायरिटी कारिडोर के 5.9 किलोमीटर हिस्से की दूरी मेट्रो ने तीन मिनट में पूरी की। इस तरह मेट्रो जिस अधिकतम गति के लिए डिजाइन की गई हैं, उसी पर परीक्षण हुआ। इसके पहले मेट्रो को अधिकतम 10 से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलाया गया था। उल्लेखनीय है कि इंदौर में जब मेट्रो यात्रियों को लेकर चलेगी, तब उसकी गति 80 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी।

90 किमी प्रतिघंटा दर्ज हुई रात साढ़े चार बजे पायलट कक्ष में बने मानीटर पर ट्रेन की गति

10 बजे रात से सुबह छह बजे के बीच किया गया परीक्षण

10 से 25 किमी प्रतिघंटा की गति से इससे पहले चली थी मेट्रो

80 किमी प्रतिघंटा की गति से मेट्रो को चलाने की योजना

मंगलवार रात में किया परीक्षण

सुपर कारिडोर पर मंगलवार रात से बुधवार सुबह का समय स्पीड टेस्टिंग के लिए तय किया गया था। सुपर कारिडोर के जिस हिस्से पर टेस्टिंग की जानी थी, उस हिस्से में काम बंद रखा गया। मंगलवार रात चार बजे मेट्रो को सुपर कारिडोर के ट्रैक पर तीन से चार बार 90 किमी प्रतिघंटा की गति से चलाया गया। अभी मेट्रो के एक कोच सेट की गति जांच हुई।

रेलवे से अनुमति की तैयारी

मेट्रो प्रबंधन द्वारा दिसंबर तक सुपर कारिडोर के प्रायरिटी कारिडोर पर कमर्शियल रन की योजना है। इसके पहले रेल मंत्रालय के आरडीएसओ की टीम मेट्रो की टेस्टिंग कर अप्रूवल देगी। जल्द ही इसके लिए टीम इंदौर आएगी। इसके बाद कमिश्नर आफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएसए) की टीम भी जांच के लिए इंदौर आएगी।

मेट्रो का फाइल फोटो।

अब ब्रेक व अन्य परीक्षण होंगे

स्पीड टेस्टिंग के बाद अब मेट्रो कोच की ब्रेकिंग व इलेक्ट्रिसिटी व कैमरा टेस्टिंग होगी। मेट्रो को 80 की स्पीड पर चलाकर अचानक ब्रेक भी लगाकर जांच होगी। 90 की स्पीड पर मेट्रो को चलाकर प्रायरिटी कारिडोर के सिविल स्ट्रक्चर, सिग्नल और थर्ड रेल पटरी जिससे मेट्रो कोच को बिजली मिलती है, उसकी जांच हो गई। अब मेट्रो के सभी पांचों कोच सेट के साफ्टवेयर में तय स्पीड अन्य मापदंडों को तय कर अपलोड किया जाएगा।

इस कारण प्रायरिटी कारिडोर पर मेट्रो चलाने की है जल्दबाजी

मेट्रो प्रबंधन ने दिसंबर में कमर्शियल रन की योजना बनाई है। इस हिस्से में यात्री कम मिलने के कारण जनप्रतिनिधियों ने इस हिस्से में जल्द संचालन करने के बजाय गांधीनगर से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो बनने पर उसका कमर्शियल रन करने की बात कही। सुपर कारिडोर पर चलाने पर छोटे हिस्से में रेलवे की सुरक्षा अनुमतियां लेना आसान है। इसलिए रेडिसन चौराहे तक काम पूर्ण होने का इंतजार करने के बजाय सुपर कारिडोर के प्रायरिटी कारिडोर को मेट्रो प्रबंधन जल्द शुरू करना चाहता है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	Free Press	Indore	27.06.2024	3	Metro runs at top speed without hiccups	Neutral

THE FREE PRESS JOURNAL SINCE 1928
www.freepressjournal.in
indore
Indore, Thursday, 27 June 2024

Pg-03

metro city

Metro runs at top speed without hiccups

Our Staff Reporter
INDORE

The Metro project is going on at a fast pace in the city and it is expected that the project will get completed in some months and Metro rakes will be opened to the public. Following its progress, on Tuesday night Metro train's maximum speed was also successfully checked for which a trial run was conducted for the very first time.

Officials said that the experiment was successful and the Metro achieved the 90kmph speed in a very short time and it travelled several kilometres successfully without any interference or any inconvenience. The speed checking of Metro began from the depot towards Super Corridor where there are Metro stations and priority corridor of the Metro project. Trains were checked all around both the tracks which will be there for movement of two Metro trains at once.

The Metro track at the station being built at Super Corridor. Signals are also being installed at stations

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	पत्रिका	इंदौर	27.06.2024	5	बुधवार तड़के ट्रायल रन, सफल होने पर अफसरों ने दी एक दूसरे को बधाई	Neutral

पत्रिका

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 16 | अंक 269 | पृष्ठ 14+4=18 | मूल्य 5.00 | इंदौर, गुरुवार, 27 जून, 2024 | आषाढ़ कृष्ण पक्ष षष्ठी, संवत् 2081

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

पत्रिका

बुधवार तड़के ट्रायल रन, सफल होने पर अफसरों ने दी एक दूसरे को बधाई

मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन देखने के लिए **स्कैन करें...**

गांधीनगर टू टीसीएस : पलक झपकते ही क्रॉस हुई गाड़ी, कर्मचारी देखकर हुए चकित

90 की स्पीड से दौड़ी मेट्रो ट्रेन, 4 मिनट में 6 किमी का सफर

इंदौर@पत्रिका. वैसे तो मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन विधानसभा चुनाव के पहले ही हो गया था, लेकिन पहली बार उसने 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी। नजारा देखने के लिए कंपनी कर्मचारी मौजूद थे, जिनके सामने पलक झपकते ही ट्रेन गायब हो गई। 4 मिनट में गांधी नगर डिपो से छह किमी का सफर तय कर टीसीएस स्टेशन पहुंच गई।

मंगलवार देर रात व बुधवार तड़के तक गांधी नगर स्टेशन पर अफसरों-कर्मचारियों को जमावड़ा लगा था। कंपनी के एमडी सीबी चक्रवर्ती व डायरेक्टर शोभित टंडन, अजय कुमार प्रमुख रूप से मौजूद थे। ट्रेन की रफ्तार और तैयार हुए ट्रैक की जांच करने के लिए पहली बार टीसीएस स्टेशन तक 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलाई गई। ट्रेन ने सफलतापूर्वक अपना सफर तय किया। इस पर चक्रवर्ती ने सभी अधिकारियों को बधाई दी।

दिसंबर में 5.9 किमी में कमर्शियल रन

मेट्रो कॉर्पोरेशन ने बीते दिनों एक बैठक में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर स्टेशन-2 तक दिसंबर में 5.9 किमी कमर्शियल रन का दावा किया है। उसी के कामों का जायजा लेने मेट्रो का ट्रायल रन किया गया। अधिकारियों के मुताबिक गांधी नगर डिपो में अभी 5 मेट्रो कोच हैं, जिनका ट्रायल आए दिन होगा।

मेट्रो ट्रायल रन

कब : बुधवार तड़के 4 से 4.30 बजे के बीच

कहां से कहां तक : गांधीनगर से टीसीएस तक

कितनी रही स्पीड : 80-90 किमी प्रति घंटा

कितना किया सफर : 4 मिनट में 6 किमी

ये था ट्रेन दौड़ाने का उद्देश्य

मेट्रो कंपनी अधिकारियों के मुताबिक ट्रैक की स्थिति, सिविल स्ट्रक्चर, थर्ड रेल (ट्रैक पर बिजली की लाइन) सहित अन्य कामों को जांचने के लिए ट्रायल रन किया गया। इंदौर मेट्रो को 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के हिसाब से तैयार किया गया है। ये उसकी अधिकतम रफ्तार है। सामान्य तौर पर वह 30 से 40 किमी प्रति घंटा चलेगी क्योंकि थोड़ी-थोड़ी दूरी पर ही स्टेशन हैं।

ट्रेन के डिस्प्ले बोर्ड में दर्ज स्पीड

MP METRO NEWS
28th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	राज एक्स्प्रेस	इंदौर	28.06.2024	3	मेट्रो की फुल स्पीड ट्रायल ने बढ़ा दी एमजी रोड वालों के दिल की धड़कनें	Neutral

► व्यापारियों और रहवासियों ने जताई चिंता, दो से तीन साल बंधक रहेगा मध्य क्षेत्र

मेट्रो की फुल स्पीड ट्रायल ने बढ़ा दी एमजी रोड वालों के दिल की धड़कनें

विशेषज्ञों ने फिर से सुझाए रूट के कम नुकसान और ज्यादा फायदे वाले विकल्प

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

मेट्रो रेल कंपनी ने इंदौर में अचानक से फुल स्पीड टेस्ट ड्राईव कर चौंका दिया। उधर ट्रेक पर धड़धड़ाती हुई मेट्रो रेल दौड़ी और इधर एमजी रोड़ के व्यापारियों और रहवासियों की धड़कन बढ़ गई। नवनिर्मित ट्रेक पर इससे पहले सिर्फ ट्रायल रन हुआ था। बुधवार को 90 की स्पीड पर यह टेस्ट हुआ। इस टेस्ट के जरिए कंपनी ने बता दिया कि काम निरंतर है और इसकी गति भी बढ़ाई जा रही है। बहरहाल जनता को शहर के मध्य क्षेत्र के बंधक बनने के साथ होने वाले नुकसान की चिंता खाए जा रही है वहीं दूसरी ओर शहर के विशेषज्ञों ने फिर से नए विकल्प भी सुझाए हैं जिससे कम नुकसानी के साथ ज्यादा फायदा इस प्रोजेक्ट को मिल सकता है। शुक्रवार को फतेहपुरिया धर्मशाला में एमजी रोड़ के रहवासियों की बैठक भी रखी गई है जिसमे विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे।

पत्र भेज कर दिए फिर से नए सुझाव

मेट्रो प्रोजेक्ट के वर्तमान रूट जिसमे पलासिया, रीगल, कोठारी मार्केट, राजबाड़ा, खजुरी बाजार, छोटा गणपति, टोरी कार्नर, बड़ा गणपति शामिल है। इस क्षेत्र को प्लानिंग से हटाने की एमजी रोड़ व्यापारी एसोसिएशन ने दोबारा मांग उठाई है। एसोसिएशन ने इसे अव्यवहारिक और शहर हित के खिलाफ बताया। इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भी पत्र लिखा जिसमे सर्वसहमति से एमजी रोड मेट्रो का वैकल्पिक मार्ग का सुझाव दिया गया है। एमजी रोड़ पर मेट्रो के विरोध में आवाज बुलंद कर रहे शेखर गिरी ने वैकल्पिक मार्ग पर विचार करने का आग्रह मुख्यमंत्री और मंत्री से किया है।

कंट्रोल पावर और टाइमिंग को भी परखा

डायरेक्टर शोभित टंडन के मुताबिक पहली बार फास्ट स्पीड का परीक्षण किया गया है। परीक्षण के दौरान मेट्रो की कंट्रोलिंग पावर और स्टेशन टू स्टेशन की टाइमिंग भी देखी गई। जब कमर्शियल रन शुरू होगा तब हर स्टेशन पर मेट्रो के रुकने का समय निर्धारित रहेगा। गौरतलब है कि पिछले साल 30 सितंबर से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रायल रन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद हर ट्रायल में स्पीड धीरे- धीरे बढ़ाई गई। कई दफा 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी मेट्रो ट्रेन चलाई गई थी। उन्होंने बताया की हमने मेट्रो की स्पीड शुरू से ही कंट्रोल में रखा। ट्रायल रन के दौरान अभी तक कोई बड़ी अड़चन नहीं आई। मेट्रो के डायरेक्टर के मुताबिक मेट्रो व कॉरिडोर में लगे बिजली उपकरण और मेट्रो की लाइट चेक करने के लिए इसे मध्यरात्रि और अल सुबह दौड़ाया गया।

बदलाव की चर्चा के बीच सफल ट्रायल रन

मेट्रो रेल कंपनी ने अल सुबह साढ़े चार बजे यह फुल स्पीड ट्रायल रन किया था। इसकी जानकारी किसी को नहीं दी बाद में एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जिसके जरिए जानकारी वायरल हुई। गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर तक के करीब 6 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर में हुआ यह बड़ा परीक्षण सफल साबित हुआ। ट्रायल रन शुरू होने के बाद यह पहला मौका है जब 90 की स्पीड से मेट्रो को दौड़ाया गया। ट्रायल रन के दौरान कई अधिकारी भी मौजूद थे। इस सफल परीक्षण के बाद मेट्रो कंपनी के एमडी सी बी चक्रवर्ती ने पूरे स्टाफ को बधाई दी।

नुकसान से डरे एमजी रोड के लोग

उधर इस फुल स्पीड ट्रायल रन ने एमजी रोड़ के लोगों को खौफजदा कर दिया। बीते तीन सालों से व्यापारी और रहवासी इस मामले में विरोध दर्ज करवा रहे है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा समर्थन किए जाने के बाद एक उम्मीद जागी थी कि प्रोजेक्ट में बड़े बदलाव होंगे मगर एक सप्ताह में सामने आ गया कि मेट्रों अंडर ग्राउंड तरीके से एमजी रोड़ पर तो निश्चित रूप से आएंगी। लोगों को डर होने वाले नुकसान का है और इस बात की भी चिंता है कि शहर का मध्य क्षेत्र कम से कम दो से तीन साल तक बंधक बना रहेगा।

नए रूट का ये दिया सुझाव

- खजराना और बंगाली चौराहा के बीच से ही मेट्रो को अंडरग्राउंड किया जाए।
- टेलीफोन नगर मैन रोड से साकेत मेन रोड़ पर टर्न हो।
- साकेत नगर से गिटार चौराहा लाला बनारसीलाल मार्ग।
- लाला बनारसी मार्ग से जंजीरा स्क्वायर
- जंजीरा स्क्वायर से एसजीएसआईटीएस कॉलेज रोड।
- कॉलेज रोड से न्यू स्टेशन होते हुए चिकमंगलुर चौराहा।
- चिकमंगलुर चौराहा होते हुए सुभाष मार्ग मैन रोड।
- सुभाष मार्ग मेन रोड़ से बड़ा गणपति चौराहा।
- बड़ा गणपति चौराहा से एयरपोर्ट।

नए रूट के यह फायदे

- बंगाली और खजराना दोनों क्षेत्र एक स्टेशन से होंगे कवर।
- साकेत नगर, तिलक नगर और कनाडिया कवर हो जाएंगे।
- गिटार चौराहे पर पलासिया और ए.बी रोड कवर हो जाएगा।
- जंजीरा स्क्वेयर पर से छप्पन दुकान और रेस कोर्स रोड़ कवर होगा।
- एसजीएसआईटीएस से रीगल, मालवा मिल, हाई कोर्ट, न्यू स्टेशन कवर।
- चिकमंगलूर से जेल रोड़, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, कोठरी मार्केट कवर।
- सुभाष मार्ग से राजवाड़ा, तिलक पथ, रामबाग, नगर निगम कवर।
- सुभाष मार्ग से जिंसी क्षेत्र, क्लॉथ मार्केट, सराफा सीतला माता बाजार कवर।